सेंट क्लॉरेट महाविद्यालय

सेंट क्लॉरेट महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 2005 में क्लॉरेटाइन मिशनरी द्वारा बेंगलुरु में की गई। क्लॉरेटाइन मिशनरी कैथोलिक बौद्धिक परंपराओं का अनुपालन करती है। यह संस्था अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 66 देशों में स्थापित 2 विश्वविद्यालयों एवं 150 शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन करती है। सेंट क्लॉरेट महाविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में उत्तरोत्तर प्रगति करते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। यहाँ विज्ञान, वाणिज्य, प्रबंधन, पर्यटन, सूचना प्रौद्योगिकी, मानविकी एवं कला आदि विषयों में उच्चशिक्षा प्रदान की जाती है।

हंस पब्लिकेशन हाउस
वाराणसी • नई दिल्ली

Books Available on Flipkart amazon
www.premchandpath.com

ISBN : 978-93-92348-27-3
www.premchandpath.com

ISBN : 978-93-92348-27-3

प्रेमचंद साहित्य में विविध विमर्श

प्रेमचंद
साहित्य में विविध विमर्श

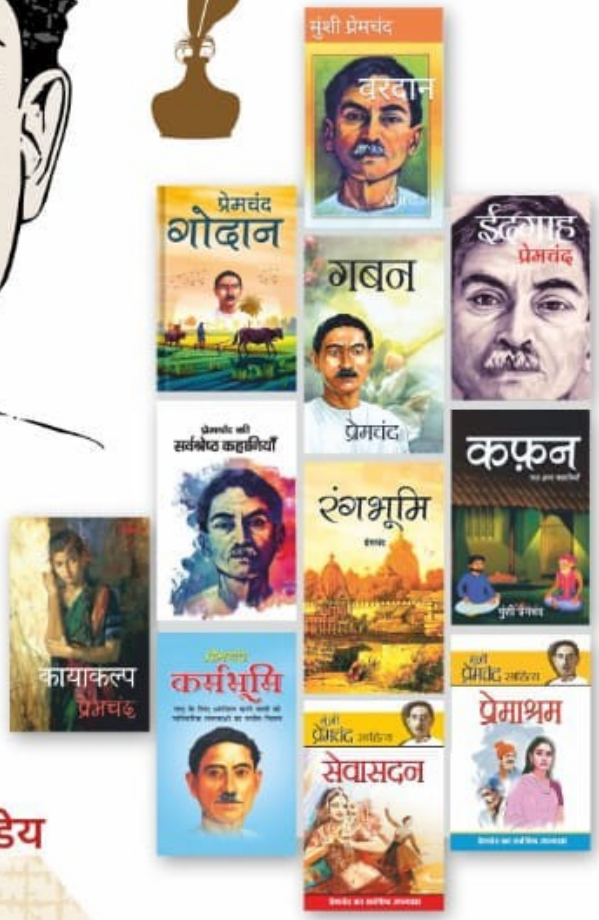

प्रधान संपादक :
डॉ. सुप्रिया सिंह
श्री राजीव गोंड
सह संपादक :
डॉ. अतुल कुमार पाण्डेय
डॉ. आशीष

- प्रेमचंद के साहित्य में किसान-जगबीर सिंह/108
- प्रेमचंद के साहित्य में नारी-सौम्य श्रीहेच.डी./116
- प्रेमचंद के साहित्य में ग्रामीण जीवन-डॉ. सरोजचक्रधर/120
- प्रेमचंद की कहानियों में सामाजिक संवेदनाएं-डॉ. माया सगरे - लक्का/134
- प्रेमचंद और सांस्कृतिक मूल्य-डॉ. आशीष/139
- मुंशी प्रेमचन्द की नारी-दृष्टि-डॉ कमलेश कुमार मौय/146
- 'प्रेमचंद के उपन्यासः भारतीय समाज की समस्याओं का दस्तावेज़'/डॉ अतुल कुमार पाण्डेय/156
- प्रेमचन्द : आदर्शवाद बनाम यथार्थवाद-डॉ. क्षितिजा/167
- नवजागरण, प्रेमचंद और स्त्री प्रश्न-डॉ.अलका तिवारी/171
- प्रेमचंद के साहित्य में आदर्शोन्मुखीयथार्थवाद-ज्योत्सना आर्य सोनी/181
- प्रेमचंद के साहित्य में ग्रामीण जीवन एवं संस्कृति-'ईदगाह'कहानी के संदर्भ में-डॉ.पूर्णिमा श्रीनिवासन/184
- प्रेमचंद के उपन्यासों में किसान-प्रो0 मधु सिंह/190
- प्रेमचदं के उपन्यासों में समाज विमर्श-डॉ. राखी.के.शाह, सहायक आचार्या,/198
- मुंशी प्रेमचंद के साहित्य में पशु- विमर्श-डां.रामकली शर्मा/206
- प्रेमचन्द के उपन्यासों में मध्यवर्गीय समाज-डॉ कल्पना बघेल/213
- प्रेमचन्द के साहित्य में आशावादी दृष्टीकोण- डॉ0 अश्विनी सचिन सदावर्ते 220
- प्रेमचंद के साहित्य में प्रासंगिकता प्रेमचन्द के साहित्य में वृद्ध विमर्श - प्रियांषु कुमारी
- प्रेमचंद की कहानियों में नारी चित्रणः एक सामाजिक विमर्श - प्रो. चंदना जैन
- प्रेमचंद की कहानियों में नारी चेतना - अनिता पटेल
- प्रेमचंद की कहानियों में अभिव्यक्त ग्रामीण समाज - डॉ.मोहित मिश्रा
- प्रेमचंद जी का उपन्यास 'निर्मला' में स्त्री की व्यथा - डॉ.तृप्ति शर्मा
- प्रेमचंद के कहानी साहित्य में व्यक्त वृद्ध विमर्श-डॉ. बन्सीलाल हेमलाल गाडीलोहार/

  प्रेमचंद कथा साहित्य में वर्णित स्त्री चेतना विशेष संदर्भ 'गोदान' - कौशल कुमार पटेल12

Dr. Ashwini Sadavarte